राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान,

जोरावर सिंह गेट, आमेर रोड, जयपुर

छात्रों हेतु नैतिक मूल्यों का प्रपत्र

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर (राजस्थान राज्य) छात्रों को नीतिपरक/ नैतिक निर्णय लेने के लिए तैयार करता है। संस्थान छात्रों से आशा करता है कि छात्र अपने समग्र शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन काल में नैतिक आचरण का उच्चस्तर बनाये रखे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के छात्रों को सम्मान, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता और जिम्मेदारियों के महत्व को, उनके मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार पहचानना/ समझना चाहिए। निम्नोक्त कथन उक्त नैतिक मूल्यों का वर्णन करते है।

छात्र नैतिक मूल्य :–

सम्मान :– छात्र अपने सहपाठी, प्राध्यापक, कर्मचारी और प्रशासन के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करे। हम देश की विविधताओं का सम्मान करें और विभिन्न कुल, वर्ण, जाति, धर्म, लिंग, विकलांगता, लैंगिक अभिविन्यास, वय और अन्य गुणों के आधार पर आपस में भेदभाव ना करें। हम उन प्रत्येक दृष्टिकोणों का सम्मान करें जो हमारे ज्ञान का वर्धन करते है। हम अध्ययन कक्ष में व्यवसायिक आचरण करके विद्वतापूर्ण अवसरों का सम्मान करें और शैक्षणिक उपलब्धि को एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता समझें।

ईमानदारी :–

हम हमारे सहपाठी, प्राध्यापक, कर्मचारी, प्रशासकों के साथ तथा सभी शैक्षणिक एवं सम्मानीय विषयों पर ईमानदारी से संवाद करें। सभी शैक्षाणिक कार्यो को पूरा करने में संस्थान की नीतियों में शैक्षणिक अभाव का निरीक्षण करें तथा अपने सुझावों से अवगत कराए। रोजगार की तलाश, इन्टर्नशिप और अन्य दूसरे अवसरों में हम विश्वासपूर्वक अपना प्रतिनिधित्व करें, मिथ्या निरूपण को समझना न केवल हमारी अपनी, बल्कि सहपाठी व कॉलेज की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुचा सकता है।

(प्रो. संजीव शर्मा)
(PROF. SANJEEV SHARMA)
निदेशक DIRECTOR
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA
जयपुर / JAIPUR

अखण्डता :–

हम अखण्डता को बनाये रखे, क्योंकि हम उत्साह से इन केन्द्रीयभूत नैतिक मूल्यों सें एकीकृत होते है जो कि हमे अपने गंतव्य तक पहुॅचाने में समर्थवान बनाती हैं। हम बाधाओं पर काबू पाते है और नैतिक दुविधाओं का सफलतापूर्वक समाधान कर पाते है।

प्रतिबद्धता :–

सफलता के लिए विद्यार्थी, व्यवसायी व नागरिक के तौर पर हम सदैव प्रयासरत रहते है। बतौर विद्यार्थी और पूर्व छात्र हम दृढनिश्चय होते है और हमारी सभी गतिविधियों में नैतिक मूल्यों का हम पालन करते है। हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी, सम्मान और जिम्मेदारीपूर्वक प्रतिबद्ध है। हम समझते है कि हमारे नैतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता, विद्यार्थी और समाज दोनों के लिए ही हमारे वर्तमान और भविष्य में लाभप्रद है।

जिम्मेदारी :–

हमें अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्वंय तथा अन्यों को उच्च नैतिक मानकों का पालने करने हेतु प्रेरित करना होगा। हमें सभी का साथ में लेकर कार्यो में कर्तव्यनिष्ठापूर्वक सहयोग करना है। इन मानको के पालन में हम एक दूसरे का समर्थन करते है। हम मानते है कि अनैतिक आचरण की सूचना देना एक जिम्मेदारी है जिसे हम सभी साझा करते है।

मेरी प्रतिज्ञा

मैं इन मूल मूल्यों को कायम रखने में अपने सहपाठियों से जुड़ने का वचन देता हूॅं।

नाम

हस्ताक्षर (तारीख)

संजीव शर्मा

(प्रो संजीव शर्मा)
(PROF SANJEEV SHARMA)
निदेशक DIRECTOR
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA
जयपुर / JAIPUR

निदेशक
रा.आ.सं., जयपुर